आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 31.08.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- द्वीपसमूह में कल भूकंप और सुनामी पर राज्य स्तरीय मॉक आपदा प्रबंधन अभ्यास का आयोजन किया गया।
- अभ्यास के दौरान पुलिस, अण्डमान लोक निर्माण विभाग, जहाजरानी, पत्तन नियंत्रक, नगरपालिका परिषद, शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों को अलग–अलग कार्यों में लगाया गया।
- पोर्ट ब्लेयर नगरपालिका परिषद की ओर से जोगर्स पार्क के पास रियूज़, रेडयूज़ और रिसाइकिल केन्द्र स्थापित की गई है।
- दक्षिण अंडमान ज़िले के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने मूर्ति बनाने और विसर्जन को लेकर जारी किए गए दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की हैं।
- पोर्ट ब्लेयर नगरपालिका परिषद की ओर से पर्यावरण संरक्षण और शहर को हरा–भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया है।

<><><><><><><><>

द्वीपसमूह में कल भूकंप और सुनामी पर राज्य स्तरीय मॉक आपदा प्रबंधन अभ्यास का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली और अंडमान निकोबार प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस अभ्यास के दौरान तैयारियों की समीक्षा की गई। इस अभ्यास का उद्देश्य द्वीपसमूह में घटना प्रतिक्रिया प्रणाली तथा सभी हितधारकों की तैयारियों के स्तर का परीक्षण करना था। अभ्यास के दौरान द्वीपसमूह में सुनामी सायरन बजाए गए। अलर्ट और चेतावनियां जारी की गई। पहचाने गए घटना स्थलों पर घटना प्रतिक्रिया दल द्वारा अभियान चलाए गए। ज़िला प्रशासन की ओर से खोज और बचाव दल भी तैनात किए गए। खोज और बचाव के साथ–साथ निकासी अभियानों में अण्डमान निकोबार कमान और एन डी आर एफ से भी मदद मांगी गई। पुलिस, अण्डमान लोक निर्माण विभाग, जहाजरानी पत्तन नियंत्रक, नगरपालिका परिषद, शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों को अलग–अलग कार्यों में लगाया गया। कमान की मदद से मध्योत्तर अण्डमान और निकोबार ज़िलों के निचले इलाकों में हवाई सर्वेक्षण और एयरड्रॉपिंग भी की गई। पोर्ट ब्लेयर में आपदा प्रबंधन भवन के सम्मेलन कक्ष में एक नियंत्रण केन्द्र स्थापित किया गया था।

द्वीपसमूह के आपदा प्रबंधन सचिव ए. एस पी एस रवि प्रकाश, आपदा प्रबंधन निदेशक अज़हरूद्दीन ज़हीरूद्दीन क़ाज़ी और नई दिल्ली में एन.डी.एम.ए. के वरिष्ठ सलाहाकार कमानडेंट आदित्य कुमार ने आपदा प्रबंधन निदेशालय से राज्य स्तरीय बनावटी अभ्यास की निगरानी की। इस अभ्यास में सूचना प्रसार, अलर्ट और चेतावनी की प्रभावशीलता तथा अनमोल जीवन और सम्पति को बचाने के लिए घटना प्रतिक्रिया पर ध्यान केन्द्रित किया गया। अभ्यास का समापन राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र से सभी आपातकालीन संचालन केन्द्रों और हितधारकों को जारी किए गए स्पष्ट संदेश के साथ हुआ।

<><><><><><><><>

पोर्ट ब्लेयर नगरपालिका परिषद की ओर से जोगर्स पार्क के पास रियूज़, रेडयूज़ और रिसाइकिल केन्द्र स्थापित की गई है। इस केन्द्र का उद्घाटन परिषद के अध्यक्ष सुदीप राय शर्मा ने किया। इस अवसर पर परिषद के सचिव अमित काले भी उपस्थित थे। इस केन्द्र में आम जनता अपनी पुरानी उपयोगी वस्तुओं जैसे कपड़े, खिलौने, किताबे, जूते, बैग, कागज, प्लास्टिक की वस्तुएं और विद्युत उपकरणों को दे सकते हैं, ताकि इन वस्तुओं का रियूज़ और रिसाइकिल हो सके। परिषद के सचिव ने इस केन्द्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से इस कार्य में सहयोग देने का अनुरोध किया है।

<><><><><><><><>

दक्षिण अंडमान ज़िले के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने मूर्ति बनाने और विसर्जन को लेकर जारी किए गए दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की हैं। इसके अंतर्गत कुछ नियम बनाए गए है। मूर्तियों के विसर्जन के मार्ग पर बिजली की लाइनों के कारण किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मूर्ति की ऊँचाई सोलह फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। मूर्तियों को बनाने में प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल होना चाहिए। मूर्तियों के विसर्जन के मार्ग को पुलिस विभाग द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा। सभी पूजा आयोजकों को पुलिस विभाग को तारीख और समय के बारे में पहले ही सूचित करना होगा। सजावट और रोशनी के लिए पंडालों में बिजली के तारों को सुरक्षित रूप से रखा जाना चाहिए। प्रत्येक आयोजन समिति को अपने संबंधित पंडाल के लिए विद्युत विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र हासिल करना होगा। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सतह से कम से कम पांच फीट ऊपर सजावटी रोशनी सुनिश्चित करना होगा। पूजा पंडाल का निरीक्षण विद्युत विभाग, पुलिस, अग्निशमन विभाग और क्षेत्र के कार्यकारी मजिस्ट्रेट के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। ध्वनि प्रदूषण नियम दो हजार के तहत रात दस बजे के बाद लाउड स्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी।

नियम का उल्लंघन करने पर पुलिस द्वारा लाउड स्पीकरों को जब्त कर कार्रवाई की जाएगी। अस्पतालों, शैक्षिक संस्थानों और न्यायालयों के करीब सौ मीटर के क्षेत्र में लाउड स्पीकर का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

पूजा पंडालों में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आयोजन समितियों को पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। पूजा समितियों को नशे से दूर रहने का निर्देश भी दिया गया है। इसका उल्लंघन करने पर कानून के तहत कड़ी कारवाई की जाएगी। दक्षिण अंडमान उपायुक्त कार्यालय के जिला नियंत्रण कक्ष में एकल खिड़की सुविधा स्थापित की गई है, जहां आवश्यक अनुमतियों के लिए संबंधित पूजा समितियों से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। मूर्तियों के विसर्जन के समय वाहन चालकों को तेज गति से वाहन न चलाने और नशे के सेवन से दूर रहने का निर्देश दिया गया है। पंडालों में कचरे के निपटान के लिए कूड़ेदान की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। बिजली, अग्निशमन, कानून और व्यवस्था का पालन न करने पर किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना होने पर आयोजन समिति जिम्मेदार होगी और उस पर कानून के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी। पूजा आयोजकों को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नई दिल्ली में जारी राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के मूर्ति विसर्जन से संबंधित दिशा–निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

पोर्ट ब्लेयर नगरपालिका परिषद की ओर से पर्यावरण संरक्षण और शहर को हरा भरा बनाने के लिए प्रधानमंत्री के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया है। परिषद के सचिव अमित काले के मार्गदर्शन में इस पहल का लक्ष्य शहर में चौबीस हजार पौधे लगाना है, जिसमें प्रत्येक वार्ड में एक हजार पौधे लगाए जाएंगे। इस अभियान की आधिकारिक शुरूआत मरीना पार्क के पास मरीन एसप्लेनेड में परिषद के अध्यक्ष सुदीप राय शर्मा द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान हुई। इस अभियान में सभी वार्डों के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इनमें परिषद कार्यालय परिसर, स्कूल, कॉलेज, स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनवाड़ी केन्द्र जैसे स्थानों पर वृक्षारोपण किया जाएगा।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार भोजपुरी समाज आज अपना स्थापना दिवस मना रहा है। इस सिलसिले में टैगोर कॉलेज के सभागार में आज शाम छः बजे से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में भोजपुरी समाज की भव्य धरोहर और संस्कृति को दर्शाया जाएगा।

इस बीच अण्डमान निकोबार टूर ऑपरेट्र्स एसोसिएशन आज अपनी सातवीं वर्षगांठ मना रहा है। इस सिलसिले में कार्यक्रम आज सुबह दस बजे होटल लेमन–ट्री में आयोजित किया जाएगा।

<><><><><><><>

प्रसार भारती द्वारा डी डी फ्री डिश के नाम से निः शुल्क डी टी एच प्लेटफार्म संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत तीन सौ इक्यासी टीवी चैनल और अड़तालीस रेडियो चैनल देश भर में लगभग पांच करोड़ से अधिक घरों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डी डी फ्री डिश के फ्री टू एयर मॉडल ने इसे सबसे बड़ा डी.टी.एच. प्लेटफार्म बना दिया है और यह दूर–दराज, ग्रामीण, दुर्गम और सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इसके माध्यम से प्रसार भारती देश के दूर–दराज के कोने–कोने में सूचना, शिक्षा और मनोरंजन प्रदान करके सार्वजनिक सेवा प्रसारण के अपने प्राथमिक उद्देश्य को पूरा कर रहा है।

<><><><><><><>